दानी के दरबार में । By Rakesh Bawaliya

दानी के दरबार में महादानी के दरबार में आया रे मैं तो आया दानी के दरबार में

हे दानी में हार के आया मुझको आज जिताना होगा नाम तेरा सुनकर आया हूँ मुझको गले लगाना होगा आया रे मैं तो आया दानी के दरबार में

तेरे दर पे हार गया तो और कहाँ मैं जाऊँगा जिनका भरोसा तुझपे उनसे कैसे आँख मिलाऊँगा आया रे मैं तो आया दानी के दरबार में

चमत्कार दिखलाना होगा मेरा काम बनाना होगा दिव्य तेजस्वी मोरछड़ी का झाड़ा आज लगाना होगा आया रे मैं तो आया दानी के दरबार में

तेरा दर ही आखिरी दर है इस विश्वास से आया हूँ भक्तों के संग अम्बरीष कहता लाख उम्मीदे लाया हूँ आया रे मैं तो आया दानी के दरबार में

 $\frac{\text{https://bhaktivandana.com/lyrics/\%e0\%a4\%a6\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%a8\%e0\%a5\%80-\%e0\%a4\%95\%e0\%a5\%87-\%e0\%a4\%a6\%e0\%a4\%b0\%e0\%a4\%be\%e0\%a4\%be-\%e0\%a4\%b0-\%e0\%a4\%ae\%e0\%a5\%87\%e0\%a4\%82-by-rakesh-bawaliya/$